''राष्ट्रीयता के विकास में हिन्दी का महत्व''

भाषा विचार–वाहिनी होती है। विचारो एवं भावो की अभिव्यक्ति भाषा के माध्यम से होती है। डॉ भोलानाथ तिवारी का कथन हैं– 'चार कोस पर पानी बदले, आठ कोस पर वाणी।' अर्थात् हर आठ कोस पर वाणी बदल जाया करती है। वहीं बेन्जामिन होर्फ भाषा के बारे में कहते हैं– 'भाषा हमारे सोचने के तरीको का स्वरूप प्रदान करती है और निर्धारित करती है।' किसी भी देश की एकता और अखण्डता के लिए भाषा सेतु का काम करती है। देश की अनेक भाषाओं में केवल वही एक भाषा राष्ट्रभाषा कहलाने योग्य है, ... इस संबंध में भारतेन्दु हरिशचन्द कहते हैं–''निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति के मूल, बिन निजभाषा ज्ञान के मिटे ने हिय के शूल।''

राष्ट्रभाषा की सारी क्षमता हिन्दी में मौजूद है। .... इसकी लिपि देवनागरी है जिसे विश्व की सबसे सरल,सहज,सुगम लिपि का दर्जा प्राप्त है। ऐसे में मो0 इकबाल का राष्ट्रीय स्वर गूँज उठता है यथा–'हिन्दी है हम वतन है, हिन्दोतां हमारा'।

आजादी के 70 सालों के बाद भी हिन्दी, पूर्ण राष्ट्रभाषा घोषित नहीं हो पाई है जबकि 14 सितम्बर 1949 में इसे राष्ट्रभाषा की मान्यता मिल चुकी थी। यह संविधान की धारा 343 के तहत, 15 वर्षो तक राजभाषा के रूप में पारित हुई। ....यहाँ विद्यालंकार का यह तथ्य सार्थक प्रतीत होता है– 'राष्ट्रभाषा के बिना, आजादी बेकार है।'

हिन्दी में ध्वनि और लिपि चिन्ह में समानता है। इसमें ह्रस्व और दीर्घ स्वर के लिए स्वतंत्र चिन्ह है। राष्ट्रभाषा के संबंध में महात्मा गांधी कहते हैं कि अगर हम भारत को राष्ट्र बनाना चाहते हैं, तो हिन्दी ही हमारी राष्ट्रभाषा होगी। अंग्रेजी अंर्तराष्ट्रीय भाषा है लेकिन वह हमारी राष्ट्रभाषा नहीं हो सकती।

आज आवश्यकता इस बात की है कि ..... पत्र–पत्रिकाएं, सूचना, पट्ट, विवाह एवं निमंत्रण पत्र,कार्यालयी कार्य जैसे स्वरूप को भी राष्ट्रभाषा में करनी होगी। ....

..... डॉ राजेन्द्र ने ठीक ही कहा है यथा–'जिस देश को अपनी भाषा और साहित्य का गौरव अनुभव नहीं है, वह उन्नत नहीं हो सकता। राष्ट्र एवं अंर्तराष्ट्रीय स्तर की सारी समस्याओं का निवारण संवाद के माध्यम से संभव है। अब हमें निर्णय लेना है कि सारे देश को किस रूप में विश्व के समक्ष रखना है ताकि देश का जनाधार और संपर्क सूत्र एकता में रहे?

दिनांक–11/8/2017

(अर्जुन कुमार साहु)
पदनाम–सहलिपिक
कार्यालय का नाम– युसील अस्पताल,तुरामडीह
मोः 7903613236
arjunk7249@gmail.com